Hindi Honours.

V.V.I

कॉर्नेलिया – "यहाँ के श्यामल कुंज, घने जंगल, सरिता की माला पहने हुई शैल-श्रेणी, हरी-भरी वर्षा, गर्मी की चाँदनी, शीतकाल की धूप और भोले कृषक तथा सरला कृषक बालिकाएँ बाल्यकाल की सुनी हुई कहानियों की जीवित प्रतिमाएँ हैं। यह स्वप्नों का देश, यह त्याग और ज्ञान का पालना, यह प्रेम की रंगभूमि, भारतभूमि क्या भुलाई जा सकती है? कदापि! नहीं – अन्य देश मनुष्यों की जन्मभूमि हैं, यह भारत मानवता की जन्मभूमि है"।

राक्षस :- "शत्रु की उचित प्रशंसा करना मनुष्य का धर्म है"।

सिकन्दर – "धन्य है – आप, मैं तलवार खींचे हुए भारत में आया – हृदय देकर जाता हूँ। विस्मय विमुग्ध हूँ। जिनसे खड्ग परीक्षा हुई थी, युद्ध में जिनसे तलवारें मिली थी, (उससे) उनसे हाथ मिलाकर – मैत्री के हाथ मिलाकर जाना चाहता हूँ"

चाणक्य – "समझदारी आने पर यौवन चला जाता है – जब तक माला गूँथी जाती है, तब तक फूल कुम्हला जाते हैं। जिससे मिलने के संभार की इतनी धूमधाम, सजावट बनावट होती है, उसके आने तक, मनुष्य अपने हृदय को सुन्दर और उपयुक्त नहीं बनाये रह सकता"।